प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

किसान चौपाल एवं पशु स्वास्थ्य शिविर आयोजित

पन्तनगर। 20 दिसम्बर 2024। विश्वविद्यालय में केन्द्रीय गोवंश अनुसंधान संस्थान, मेरठ द्वारा संचालित अखिल भारतीय पशु शोध समन्वित परियोजना–फ्रिजवाल द्वारा ग्राम–झुक्का कृत्रिम गर्भाधान केन्द्र–सितारगंज में पशुपालकों एवं वैज्ञानिकों के बीच किसान चौपाल एवं पशु स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। किसान चौपाल एवं पशु स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन डा. डी. कुमार, विभागाध्यक्ष पशु प्रजनन विभाग द्वारा किया गया। विभागाध्यक्ष द्वारा सभी गोपालकों एवं परियोजना टीम सदस्यों को उत्साहवर्धन के साथ–साथ पशु प्रजनन एवं पशु नस्ल सुधार के मुख्य बिन्दुओं पर प्रकाश डाला।

किसान चौपाल एवं पशु स्वास्थ्य शिविर का संचालन परियोजना अधिकारी डा.. चन्द्र भान सिंह द्वारा करते हुए परियोजना के उद्देश्य एवं इससे पशु पालकों को मिलने वाले लाभों पर प्रकाश डाला। डा. शिव प्रसाद, विभागाध्यक्ष पशु प्रसूति एवं पशु चिकित्सा द्वारा गायों एवं बछियों में बॉझपन, समय से मदचक्र में न आना व टीकाकरण के सही समय की जानकारी दी। डा. संजय चौधरी, संयुक्त निदेशक, पशु चिकित्सा प्रसार द्वारा पशुओं में लगने वाले अन्तःपरजीवी, वाह्यपरजीवी, थनैला, खुरपका एवं मुँहपका आदि रोगों से सम्बन्धित समस्याओं का समाधान किया, डा. ब्रिजेश सिंह, प्राध्यापक पशुधन उत्पादन एवं प्रबन्ध विभाग द्वारा पशुओं एवं गो–वत्सों की देख–रेख व आवास व्यवस्था से सम्बन्धित समस्याओं के समाधान के साथ–साथ पशु पालन के सभी तकनीकी आयामों को अपनाकर उन्नत पशु पालन करने एवं पशुओं के साथ अंगी–अंगा का भाव रखने की सलाह दी गयी। डा. रिपुसुदन कुमार, सह–प्राध्यापक पशु पोषण विभाग द्वारा पशु पालकों को सम्बोधित करते हुए पशु पोषण सम्बन्धित समस्याओं का समाधान किया। पशु स्वास्थ्य शिविर में पशुओं का स्वास्थ्य निरीक्षण एवं उपचार पशु वैज्ञानिक डा. शिव प्रसाद एवं डा. अजय चौधरी द्वारा किया गया। शिवर में कुल 24 गोपशु का स्वास्थ्य निरीक्षण किया गया।

किसान चौपाल एवं पशु स्वास्थ्य शिविर में पशुपालकों का पंजीकरण कु.अराधना फुलार एवं सामग्री वितरण श्री शिवांशु तिवारी व धन्यवाद प्रस्ताव डा. चन्द्र भान सिंह द्वारा किया गया। किसान चौपाल में कुल 25 पशुपालकों द्वारा प्रतिभाग एवं पशु स्वास्थ्य शिविर में कुल 24 पशुओं का स्वास्थ्य निरीक्षण कर उपचार दिया गया।

कार्यक्रम में पशु पालकों को जानकारी देते वैज्ञानिक।

निदेशक संचार